Class: 1- Toota pahiya 5.8.2021	https://youtu.be/jZdtAfHp3sU

धर्मवीर भारती

जन्म : 25 दिसंबर 1926, इलाहाबाद

निधन : 4 सितंबर 1997

आधुनिक हिंदी साहित्य के प्रमुख लेखक, कवि, नाटककार और सामाजिक विचारक।

प्रमुख कृतियाँ: मुर्दों का गाँव, स्वर्ग और पृथ्वी, चाँद और टूटे हुए लोग (कहानी संग्रह) ठंडा लोहा, कनुप्रिया (काव्य) गुनाहों का देवता, सूरज का सातवाँ घोड़ा (उपन्यास) अंधायुग (काव्य नाटक)

पुरस्कार : पद्मश्री, संगीत नाटक अकादमी, भारत भारती, व्यास सम्मान

पहिया - चक्र Wheel ചക്രം

फेंकना - To throw എറിയുക

क्या - എന്ത് What

कब - എപ്പോൾ When

दुरूह - समझने में कठिन മനസ്സിലാക്കാൻ പ്രയാസമുള്ള

चुनौती देना - വെല്ലുവിളിക്കുക To challenge

शोषक - ചൂഷണം ചെയ്യുന്നവൻ nExploter

शोषित - ചൂഷണം ചെയ്യപ്പെട്ട Exploited

समस्याएं - പ്രശ്നങ്ങൾ problems

कौरव पक्ष (बड़े- बड़े महारथी लोग) :

भीष्म , द्रोणाचार्य , कृपाचार्य , कर्ण , अश्वथमा , जयद्रथ आदि

चक्रव्यूह ചക്രവ്യൂഹം :

चक्रव्यूह में पैदल सैनिकों, रथों, हाथियों और घोड़ों का विन्यास एक निश्चित क्रम से होता है।

യോദ്ധാക്കളെ യുദ്ധക്കളത്തിൽ അണിനിരത്തുന്ന ഒരു പ്രത്യേക സമ്പ്രദായമാണ് ചക്രവ്യൂഹം. ചക്രത്തിന്റെ ആകൃതിയിലാണ് ചക്രവ്യൂഹം നിർമ്മിക്കുന്നത്. കൗരവ പാണ്ഡവയുദ്ധത്തിൽ ദ്രോണാചാര്യർ ഒരു ചക്രവ്യൂഹം നിർമ്മിച്ചു. ചക്രവ്യൂഹം ഭേദിക്കുന്ന വിദ്യ അർജുനനു മാത്രമേ അറിയാമായിരുന്നുള്ളൂ. അർജുനപുത്രനായ അഭിമന്യു ഈ ചക്രവ്യൂഹത്തിലകപ്പെട്ട് വ്യൂഹം ഭേദിക്കാനാവാതെ കൊല്ലപ്പെട്ടു.

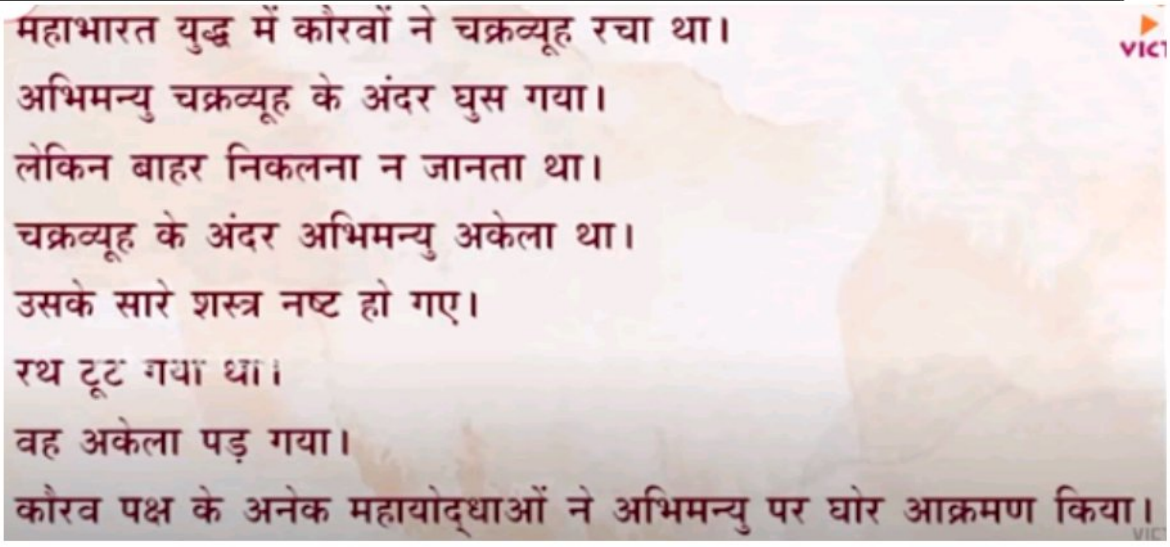

1. चक्रव्यूह की रचना किसने की है?

चक्रव्यूह की रचना अभिमन्यु ने की है।

- **महाभारत युद्ध में कौरवों ने चक्रव्यूह रचा था।**
- **अभिमन्यु चक्रव्यूह के अंदर घुस गया।**
- **लेकिन बाहर निकलना न जानता था।**
- **कौरव पक्ष के अनेक महा योद्धाओं ने अभिमन्यु पर घोर आक्रमण किया।**
- **अभिमन्यु अकेला था।**
- **उसके सारे शस्त्र नष्ट हो गए।**
- **अंत में अभिमन्यु ने एक टूटे रथ चक्र को लेकर युद्ध किया।**

★ **टूटा हुआ पहिया।**

★ **रथ का पहिया।**

★ **रथ का टूटा हुआ पहिया।**

2. कविता में "मैं" के रूप में कौन आता है?

   रथ का टूटा हुआ पहिया।

3. **पहिया अपनेआप को क्या बताता है** ?

   मैं रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ।

4. **टूटा हुआ पहिया क्या विनती करता है**?

   मुझे फेंको मत।

5. टूटा पहिया हमसे क्या प्रार्थना करता है?

   उसे टूटा हुआ समझकर कहीं मत फेंको।

6. टूटे पहिए के इस प्रकार कहने का कारण क्या है?

   टूटा हुआ पहिया एक बार अभिमन्यु का काम में आया था।

7. टूटा पहिया अभिमन्यु को कब काम में आया था?

   जब अभिमन्यु दुरूह चक्रव्यूह में पड़ा था, तब टूटा पहिया अभिमन्यु को काम में आया था।

8. अभिमन्यु संकट में आते वक्त उनकी सहायता कौन करता है?

टूटा हुआ पहिया

9. दुरूह चक्रव्यूह क्यों कहा गया है?

चक्रव्यू के अंदर घुसने और बाहर निकलना कठिन था इसलिए जरूर चक्रव्यू कहा गया है।

10. "दुरूह चक्रव्यूह" में विशेषण शब्द कौन सा है?

दुरूह।

11. अभिमन्यु ने क्या किया था?

अभिमन्यु ने दुरुह चक्रव्यूह में घुसकर अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती दी थी।

12. अक्षौहिणी सेना से क्या तात्पर्य है?

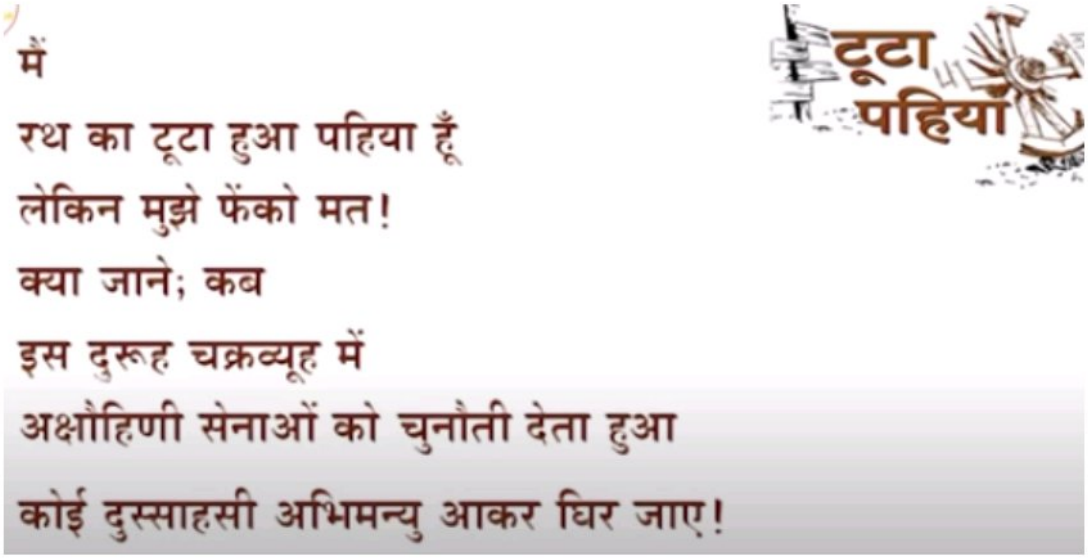

अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती देने वाला कौन है?

अभिमन्यु

13. यहाँ अभिमन्यु के लिए कौन सा विशेषण शब्द प्रयोग किया है?

    दुस्साहसी

14. दुस्साहसी अभिमन्यु में विशेषण शब्द कौन सा है?

    दुस्साहसी।

15. अभिमन्यु को दुस्साहसी क्यों कहा गया है?

    क्योंकि उसने बड़ा साहस दिखाया।

16. दुस्साहस दिखाते वक्त अभिमन्यु के लिए एकमात्र सहारा क्या था?

    केवल एक टूटा पहिया।

17. अभिमन्यु ने ऐसा दुस्साहस क्यों दिखाया?

    न्याय के समर्थन के लिए।

18. टूटा पहिया क्या करना चाहता है?

    अभिमन्यु जैसा कोई वीर, न्याय या सत्य के पक्ष में रहनेवाला कोई व्यक्ति संकट में पड़ जाय, तो उसकी भी सहायता करना चाहता है।

19. चक्रव्यूह किसका प्रतीक हो सकता है?

    चक्रव्यूह समस्याओं का प्रतीकहै।

20. टूटा पहिया किसका प्रतीक होगा?

    शोषकों के विरुद्ध लड़ने वाले कोई लघु या उपेक्षित मानव का प्रतीक है।

क्या जाने; कब

इस दुरूह चक्रव्यूह में

अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती देता हुआ

कोई दुस्साहसी अभिमन्यु आकर घिर जाए!

21.

टुटा पहिया हमसे क्या कहता है?

यहाँ टूटा पहिया स्वयं कहता है कि यद्यपि वह रथ का टुटा हुआ पहिया है,पर उसे बेकार समझकर मत फेंको। क्योंकि एक दिन वह न्याय के पक्ष में खड़े रहनेवाले को आश्रय या सहारा बन जाएगा। महाभारत युद्ध में टूटा पहिया अभिमन्यु का काम आया था। उसी तरह आगे भी अभिमन्यु जैसा कोई वीर, न्याय या सत्य के पक्ष में रहनेवाला कोई व्यक्ति संकट में पड़ जाय,तो उसकी भी सहायता टूटा पहिया करना चाहता है।

प्रतीक:

टूटा पहिया	
अभिमन्यु	
चक्रव्यूह	
अक्षौहिणी	

- ★ अभिमन्यु न्याय या सत्य के पक्ष में रहने वाला है। , तो कौरव अन्याय और असत्य के पक्ष में रहने वाले हैं यानी वे शोषक वर्ग हैं ।
- ★ अभिमन्यु शोषित समाज का प्रतीक है।
- ★ कौरव शोषक वर्ग का प्रतीक है।
- ★ चक्रव्यूह समस्याओं का प्रतीकहै।
- ★ टूटा पहिया शोषकों के विरुद्ध लड़ने वाले कोई लघु या उपेक्षित मानव का प्रतीक है।

Prepared by : MOHAMED ALI.K , MESHSS IRIMBILIYAM , PH : 9895361234

Scanned by CamScanner